



Published from Ranchi

प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर
में आए बदलाव मुझे...

Ranchi ● Wednesday, 28 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 162 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE
सेसेक्ष्य : 63,416.03
निपटी : 18,817.40SARAFAS
सोना : 5,580
चांदी : 75.07
(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

खराब मौसम के चलते
देवघर नहीं पहुंचे मुख्यमंत्रीRANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन
खराब मौसम के चलते देवघर में
मुख्यमंत्री 524 करोड़ की
लागत से सिकटिया में लिपट
एप्रिलेशन योजना का शिलान्यास
करना था लेकिन खराब मौसम के
कारण मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर
संचय से उड़ान नहीं भर पाया। इस
कारण शिलान्यास कार्यक्रम को
रद करना पड़ा। कार्यक्रम में
शामिल होने के लिए जामताड़ा
विधायक इरफान अंसारी, पूर्व
विधायक चुनां सिंह, झामुगो नेता
परिषद सिंह, जिप अध्यक्ष किरण
देवी समेत जल संसाधन विभाग
के सचिव प्रशांत कुमार, देवघर
डीसी मंजूराह भजनी, डीडीसी
डॉ कुमार रातांदं, एसीआईओ
आशीष अग्रवाल, प्रशिक्ष
आईएस अनिसें रंजन समेत
अन्य पदाधिकारी पहुंच गए थे।हजारीबाग में चार हजार
धूस लेते वनरक्षी गिरफतारHAZARIBAGH : एंटी करप्शन
ब्यूरो (एप्सीबी) की टीम ने
मंगलवार को बनरक्षी को चार
हजार धूपे धूस लेते गिरफतार
किया है। कोरटमा वन प्रमंडल में
तैनात वनरक्षी अपर्दं कुमार
युक्लिप्ट्स पेड़ के एवज में धूस
की मांग कर रहा था। मामले को
लेकर पीड़ित सूरज कुमार ने
एप्सीबी से शिकायत की थी कि
अर्जुनी दोसी के रैतैयी भूमि पर लगे
युक्लिप्ट्स पेड़ खरीदा,
जिसका टीपी प्री होता है, जिसे
अर्जुनी से शिकायत की थी कि
कर दिया गया। दोषियों को सजा
का एलान पांच जुलाई को होगा।
सरायकेला कोर्ट ने जिन 10 लोगों
को दोषी करार दिया है उसमें
प्रकाश मंडल उर्फ पृष्ठ मंडल,
कल्प महतो, मदन नायक, अतुल
महाली, विक्रम मंडल, चामु नायक,
प्रेमचंद महाली, सुनामी प्रधान और
भीमसेन मंडल शामिल हैं।

PHOTON NEWS SARAIKELA :

सरायकेला थाना अंतर्गत
धातकीडी गांव में वर्ष 2018 को
हुई तबरेज अंसारी माओ लिंगिंग
मामले में मंगलवार 27 जून,
2023 को कोर्ट का फैसला आया
है। मामले की सुनवाई करते हुए
एडीजे वन अमित शेखर को कोर्ट
ने पांच धाराओं में 10 लोगों को
दोषी करार दिया, वहीं दो आरोपी
सुमंत प्रधान और सत्यनारायण
नायक को साक्ष्य के अभाव में बरी
कर दिया गया। दोषियों को सजा
का एलान पांच जुलाई को होगा।
सरायकेला कोर्ट ने जिन 10 लोगों
को दोषी करार दिया है उसमें
प्रकाश मंडल उर्फ पृष्ठ मंडल,
कल्प महतो, मदन नायक, अतुल
महाली, विक्रम मंडल, चामु नायक,
प्रेमचंद महाली, सुनामी प्रधान और
भीमसेन मंडल शामिल हैं।

ये लोग निकले दोषी

सरायकेला कोर्ट ने जिन 10 लोगों
को दोषी करार दिया है उसमें प्रकाश
मंडल उर्फ पृष्ठ मंडल, कल्प महतो,
मदन नायक, अतुल महाली, महेश
महाली, विक्रम मंडल, चामु नायक,
प्रेमचंद महाली, सुनामी प्रधान और
भीमसेन मंडल शामिल हैं।

क्या है पूरा मानला

सरायकेला थाना अंतर्गत धातकीडी गांव में 18 जून, 2019 को एक घर में घोरी की नीतक से धूस तरेज अंसारी की पिटाई भी द्वारा की गई थी, जिसके बाद में पुलिस के हाथों कर दिया गया था और वहाँ से तबरेज अंसारी को शायिक हिरात में भेज दिया गया था। जिसके बाद सरायकेला मंडल कारा में 22 जून को उसकी तीव्रत विगड़ गयी, जिस पर सरायकेला सरदर अंसारी लाया गया, जहाँ द्वारा क्रम में तबरेज अंसारी की मौत हो गई थी। मौत के बाद इस मामले में तबरेज अंसारी की परवीन तबरेज अंसारी के साथ सरायकेला कारा में धूम जारी कराया गया था। जिसमें पुलिस अनुसंधान के क्रम में कुल 13 लोगों को आरोपी बनाकर गिरफतार किया गया था, जिसमें मामले के एक आरोपी कूशल महाली का निवास हो चुका है। 18 जून, 2019 का सरायकेला सरदर अंसारी की मौत हो गई थी। मौत के बाद इस मामले में यात्री खंभा से बाहर कर तबरेज अंसारी के साथ मारपीट करने एवं धोका नहीं लाया गया था। इस मामले पर पुलिस ने करारई करते हुए 13 लोगों को खिलाफ प्रायिकी दर्ज किया था।

करारी थीं। दर्ज प्रायिकीमें को कहा
की था कि जमशेदपुर से खरसावां
सहित 100 लोगों के खिलाफ
सरायकेला थाना में प्रायिकी दर्जकरारी थीं। दर्ज प्रायिकीमें को कहा
की था कि जमशेदपुर से खरसावां
सहित 100 लोगों के खिलाफ
सरायकेला थाना में प्रायिकी दर्जकरारी थीं। दर्ज प्रायिकीमें को कहा
की था कि जमशेदपुर से खरसावां
सहित 100 लोगों के खिलाफ
सरायकेला थाना में प्रायिकी दर्ज

मानगो RAPE CASE में सरकार से नांगा जवाब

मंत्री के भाई समेत डीएसपी व थानेदार को आरोपी बनाए जाने का मामला



पीड़िता की मां ने दाखिल की थी अर्जी

दरअसल, पीड़िता की मां ने स्वास्थ्य मंत्री बना गुप्ता के भाई गुदु गुप्ता, तलकलीन डीएसपी अंसार के केंद्रीय और तलकलीन एमजीएम थाना प्रधारी इमदाद अंसारी समेत 22 लोगों को आरोपी बनाने के लिए जमशेदपुर की सोसायल कार्पोरेशन में अर्जी दी थी। ये अर्जी कोर्ट ने मंजूर कर ली और सभी 22 लोगों को मामले में आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया है।

2018 का है जहाँ पीड़िता ने अदालत में बयान दर्ज कराया था। उसके साथ दो दर्जन लोगों ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था। तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिंह और अर्जी कोर्ट ने दर्जनों दो दर्जन लोगों को आरोपी बनाने और द्रव्यल चलाने का आदेश दिया था।

पुलिस की जांच में दोनों अफसरों को कलीन चिट दे दिया गया था।

तलकलीन मुख्यमंत्री रुधिर करार दास ने दुर्घटना की मौत हो गई थी। इस अवसर पर नर्सिं



26.0°
Highest Temperature
22.0°
Minimum Temperature
Sunrise Tomorrow 05.05

Sunset Today 18.39

CITY

03

Daily THE PHOTON NEWS
www.thephotonnews.com
Wednesday, 28 June 2023

BRIEF NEWS

मारपीट में युवक घायल, एफआईआर दर्ज

RANCHI : आदर्श नगर में एक युवक के साथ मारपीट का मामला मंगलवार को प्रकाश में आया है। इस संबंध में अमर कुमार ने गोल कुमार और उसके भाई अजय कुमार के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि अमर कुमार दुध लेने के लिए घर से गए थे। लौटने के क्रम में गोल कुमार ने नशे में अपने दोस्रों के साथ अमर कुमार से पैसा छिनने लगे। पैसा नहीं देने पर उनके साथ मारपीट की। इसी क्रम में गोल कुमार का भाई अजय भी पूँच गया और दोनों ने मिलकर अमर के साथ मारपीट की। साथ ही लौटे के हाथियार से हाथ में मारक घायल कर रखा और फरार हो गए। थाना प्रभारी शयम किसरां महते ने मंगलवार को बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

तुपुदाना में घर से कीमती सामान ले उड़े चोर

RANCHI : रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। चोरी की लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में दहशत बना हुआ है। तुपुदाना के पॉश इलाके मानसरोवर में लगातार चोरी की घटनाओं का अभी तक उड़ेदेन नहीं हुआ है। इस बीच चोरी की घटनाएं लगातार हो रही है। घटनाएं चोरी की रात तुपुदाना के हल्हेंदू स्थित अमित पवन सांगा के घर में चोरों ने धावा बोला और कीमती सामान ले उड़े। तुपुदाना ओपी में अपने लिखित आवेदन में अमित पवन सांगा ने लिखा है कि रविवार की रात 9:00 बजे के लगातार सारिवार खाना खाकर अपने अपने रुप में सोने चले गए। बीच भी में बहन की तरफ चलने की आहट सुनकर उड़ी। किसी को नहीं देखकर फिर सो गई। सबह उठकर जब घर के सामान अस्तव्यस्त देखे तो पता चला कि घर में गांव चोरों ने घर के कीमती सामान चोरी कर लिए हैं। घर के बालकों के दरवाजे को खोलकर चोर घर में प्रवेश किए थे और कीमती सामान की चोरी कर ले गए।

आजसू पार्टी 30 जून को राज्य में मनाएगी हूल दिवस

RANCHI : आजसू पार्टी 30 जून को पूरे राज्य में हूल दिवस मनाएगी। इस अवसर पर हर प्रखण्ड एवं जिला कार्यालय तथा रांची रित्य केंद्रीय कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। आजसू पार्टी श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से संताल हूल के महानायक सिद्धाकान्त, चांदी-भौपाल-इंदौर वर्दे भारत एक्सप्रेस, मटांगवां (गोंडा) मुंबई वर्दे भारत एक्सप्रेस और धारवाड-बैंगलुरु वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शामिल हैं। बता दें कि झारखण्ड-बिहार को पहली वर्दे भारत एक्सप्रेस की सेंगात मिलती है। रांची-पटना वर्दे भारत एक्सप्रेस को रांची से पटना सांसद संजय सेठ, राजसभा सांसद दिव्यालय : बता दें कि वर्दे भारत एक्सप्रेस के

पर झारखण्ड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्री अनन्युषा देवी, मंत्री चांपई सोरेन, राजसभा सांसद महुआ माजी, राजसभा सांसद अदिल साहू, रांची सांसद संजय सेठ, राजसभा सांसद दीपक प्रकाश, हजारीबाबा

संसद जयंत सिन्हा, रेलवे के डीआरएम और दिविण पूर्व रेलवे के जनरल मैनेजर अचना जोशी समेत कई लोग उपस्थित हैं। राजसभा को छोड़कर सप्ताह में छह दिन होगा परिचालन : बता दें कि वर्दे भारत एक्सप्रेस के

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो बड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

जंडी दिखाकर रांची से पटना के लिए वर्दे भारत ट्रेन का उद्घाटन

परिचालन का लोग काफी बेसब्री से उंतजार कर रहे थे। आज वो

गाड़ी आ गयी जब पीएम मोदी ने लोगों को वर्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेंगात दी। पीएम मोदी ने हरी

राज्यपाल ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर कसा तंज

पटना: पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर तंज कसा है। राज्यपाल ने कहा कि बिहार में विश्वविद्यालयों की परीक्षा समय पर होती है। ऐसे देश में ही नहीं होता। राज्यपाल ने अपने संबोधन में सभी विश्वविद्यालयों को सेशन सचारू करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति की खूबियों को गिनाया।

27 विद्यार्थियों को दिया गया गोल्ड मेडल

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय का



मायागंज अस्पताल में मरीजों को ठहरने में होगी आसानी

नाइट शेल्टर होम बनकर तैयार

पटना: भागलपुर का मायागंज अस्पताल अपनी लचर व्यवस्था को लेकर दशकों से चर्चा का विषय बना हूँआ है। दूरदराज से मरीज का इलाज करने आए उनके परिजनों को सबसे ज्यादा रहने की समस्या होती थी। ऐसे में अब उन्हें इस समस्या से निजात मिलेगी।

दरअसल, मायागंज अस्पताल में मरीजों के परिजन को ठहरने के लिए शेल्टर होम की व्यवस्था की गई है। वहां सोने से लेकर स्नान करने और खाने तक की व्यवस्था की गई है। इसके लिए लोगों को पैसे देने होंगे वहां पर एक रात के लिए सिंगल बेड का चार्ज ₹३० एवं रात्रि व्यवस्था का इंतजाम किया गया। उसके लिए उन्हें ₹३० एवं ₹१०० देने होंगे। अगर कोई भी लोग रहने के इसको लेकर नगर निगम के डिप्टी नवर की विधिवत रुप से जल्द शुरूआत कर दी जाएगी।



वहां मरीजों के लिए खाने पीने की काइंतजाम किया गया। उसके लिए ₹१०० देने होंगे। अगर कोई भी लोग रहने के इसको लेकर नगर निगम के डिप्टी नवर की विधिवत रुप से जल्द शुरूआत कर दी जाएगी।

वपति ने कंपनी के मैनेजर पर लगाया हत्या का आरोप

भागलपुर: भागलपुर में एक विवाहित की मौत हो गई। महिला जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित अमित आटोमोबाइल में कार्रवाई थी। डॉक्टर ने एक जहर खाने से मौत की पुष्टि की है।

मृतकों की हफ्तानाथ थाना क्षेत्र स्थित मुंजूचक विकास कुमार की 28 वर्षीय पत्नी रुहा उर्फ दीपा के रूप में हुई है। मृतकों के पति विकास कुमार ने कंपनी के मैनेजर धीरेश ज्ञा पर जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दीपा दिसंबर महीने से ही उक्त कंपनी सेल्प्समैन का काम कर रही थी। वह अपने मैनेजर से काफी संपर्क में थी। उसका रुहा के घर पर लगातार आना जाना था। विकास ने बताया कि उसे जहर खाने से पूर्व रुहा को उल्टी भी हुई थी। अस्पताल पहुँचने से पूर्व रुहा ने अपति को बताया कि उसे जहर खाने से बायोरेंजर अंकल के बीच कुछ दिया गया है। जिसके बाद उसे मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां विकिस्टोंने उसके बॉडी में जहर की पुष्टि की और इलाज में जहर की गई, लेकिन ज्यादा देर तक उसे जिंदा नहीं रखा गया।



जिसके बाद वह किसी तरह घर पहुँची। घर पर मौजूद वेटे ने बताया कि तबीयत बिगड़ने से दीपा काफी डिप्रेशन में थी। उसके बेटे बैंडेशन ने बताया कि मम्मी और मैनेजर अंकल के बीच कुछ दिया गया है। जिसके बाद उसे मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां विकिस्टोंने उसके बॉडी में जहर की पुष्टि की और इलाज में जहर की गई, लेकिन ज्यादा देर तक उसे जिंदा नहीं रखा गया।

जमीनी विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे, हथियार से हमला

बिहार: बांका में दो पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुआ है। घटना में सात लोग गंभीर रुप से घायल हैं। सभी घायलों को भागलपुर के मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां, दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहात्मा है। स्थानीय थाना की पुलिस मैके पर पहुँचने जांच में जुटी है। घटना रजीन थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की रात 9:30 बजे की है।

दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे बरसे हैं। साथ ही तेज धारदार हथियार से हमला किया गया है। एक पक्ष के सुरेंद्र साह, लिलिता देवी, श्यामफूल साह और दूसरे पक्ष के शशीकांत साह, सत्येन्द्र प्रसाद साह, चंद्र किशोर



दूसरा दीक्षांत समारोह मंगलवार को सुबह 11 बजे से श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में शुरू हुआ। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस समारोह में डॉ. शकुनता राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. रणा कृष्णपाल सिंह ने दीक्षांत समारोह का सुभार्थ किया। सभी अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रो. आरके सिंह ने किया। बता दें कि पीजी सत्र 2020-22 के लिए आयोजित दीक्षांत समारोह में 27 विद्यार्थियों को राज्यपाल ने गोल्ड मेडल

दिया। समारोह में हर विषय में पहले से लेकर 35वें स्थान पर रहे विद्यार्थियों ने भाग लिया। मालदीवी पगड़ी और पीले अंग वस्त्र में मिलेगी डिगी। इस दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए निर्वाचित सभी विद्यार्थियों को डेस कोड में रहना था। सभी को आश्वासन प्राप्ति मुहूर्त करा दी गई थी। इसमें छात्रों के लिए कूर्ता-पैजामा और छात्रों के लिए सफेद सलवार और लेमन पीला कुर्ता, लेमन पीला, साड़ी जिसमें लाल बार्डर हो, साथ में लाल ब्लाउज के साथ इस निर्धारित किया गया है।



आरा-अरबल मुख्य मार्ग पर जिले के उद्वंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव के समीप सोमवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार जी-जी-साला को रौंद दिया। हास्से में जीजी की मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठा उसका साला जखी हो गया। उसका इलाज उद्वंतनगर पीचर्या में कराया गया। घटना के बाद लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वहां घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों आरा-अरबल मार्ग पर बेलाउर गांव के समीप शव को सड़क के बीच-बीच रुख सड़क जाम कर दिया। सड़क के दोनों की लंबी कतरें लगी रहीं और आवायन पूरी तरह बाधित हुए। सड़क जाम की सूचना पाकर उद्वंतनगर थाना इचार्ज घटनास्थल पर पहुँचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कबूले में लेकर घटनास्थल से उक्त ट्रक को भी जबत कर दिया।

युवा के उत्थान के लिए संघर्षरत हैं



बकरस: युवा लोक जनता दल के तत्वाधान में युवा चेतना परिचर्चा नगर के ज्योति प्रकाश चौकी स्थित सिटी ऐलेस में आयोजित किया गया। परिचर्चा में युवा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु पटेल एवं युवा प्रदेश प्रधान महासचिव अरुण कुशवाहा उपरिथत हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला युवा लोक जनता दल के अध्यक्ष कमलसंग कुमार राम ने किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु पटेल ने कहा कि बिहार के युवा शिक्षा एवं जोगार के लिए सड़क एवं रुख सड़क जाम कर दिया। सड़क के दोनों की लंबी कतरें लगी हैं। सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट है जिसमें इन्होंने डॉर्टर्म के लिए गाड़ी चौक, खरिका चौक, कांटा थर्मल पारव, छिन्नमस्तिक मंदिर और नेता चौक चिह्नित हैं। यहां 49 दुर्घटनाएं हुईं। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर तो बस नजीर है। मई माह में ही मुजफ्फरपुर की अलग-अलग सड़कों पर हुई 82 दुर्घटनाओं में से 38 एक्सिसेंट हुए। 86 लोगों में से 45 लोगों की मौत वर्षी हुई है। 23 लोग जखी हुए। इस सड़क पर सर्वाधिक दुर्घटना स्थल वाले 9 ब्लैक स्पॉट-बॉजी बाजार, काली मंदिर, पस्तलवा, नरियार, बनदुला चौक, खरिका चौक, कांटा थर्मल पारव, छिन्नमस्तिक मंदिर और नेता चौक चिह्नित हैं। यहां 49 दुर्घटनाएं हुईं। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर तो बस नजीर है। मई माह में ही मुजफ्फरपुर की अलग-अलग सड़कों पर हुई 82 दुर्घटनाओं में से 38 एक्सिसेंट हुए। 86 लोगों में से 45 लोगों की मौत वर्षी हुई है। इसके लिए एन-एच ब्लैक स्पॉट मानता है। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर पर 16 स्थलों के साथ-साथ अन्य एन-एच के 60 दुर्घटना संभावित स्थलों को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित कर दुर्घटना रोकने की सिर्फ़ कागजी कार्रवाई चल रही है। परिवहन विधाय की रिपोर्ट कहती है 33% ब्लैक स्पॉट की सुधार प्रक्रिया अधूरी है।

युवक का देसी कट्टा के साथ फोटो वायरल

समस्तीपुर: में अवैध हथियार के साथ फोटो-वीडियो पोस्ट करना इन दिनों शोक बन गया है। पुलिसिया कार्रवाई होने के बावजूद इस तरह का वीडियो लगातार बायरल हो रहे हैं। ताजा मासल मुफ्तसिल थाने के रहमतपुर वाई 2 का है। जहा एक युवक देसी कट्टा लेकर फोटो खिंचता हुआ दिख रहा है वहां, ब्राउन कलर का लेदर का जैकेट पहन रखा है। वहां एक 15 सेकेंड के वीडियो में युवक अपने साथियों के साथ डांस करते हुए आयोजित करते हुए हैं। युवाओं के अच्छी शिक्षा मिलने एवं बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो रहा है। इसके लिए युवा लोक जनता दल संघर्ष करता रहता है। यदि मौका मिले तो बिहार के यु

दिल्ली की घिंता

ANALYSIS



 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

ANALYSIS

नई दिल्ली में प्रगति मैदान सुरंग के अंदर दिनदहाड़े-लूट बहुत गंभीर और दुखद है। दो मोटरसाइकिल पर आए चार बदमाशों ने व्यस्त सड़क पर बंदूक की नोक पर एक टैक्सी को रोककर लूट लिया। लगभग दो लाख रुपये की नकद राशि बड़ी आसानी से ले भगे। ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी एजेंट को लूटा गया हो या दो लाख रुपये की राशि बहुत ज्यादा हो, मगर गौर करने की बात यह है कि बदमाशों ने निडर होकर कैसे खुले आम लूट को अंजाम दिया है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दिल्ली में अब लगभग चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और शहर में किसी भी तरह की गलत सक्रियता को चिह्नित किया जा सकता है। इसके बावजूद बदमाशों का दुस्साहस सोचने पर मजबूर करता है? बताया जाता है, सुरंग में 16 सुरक्षा गार्ड की तैनाती है, मगर घटना के समय वहाँ एक भी गार्ड नहीं था। सुरंग के अंदर सुरक्षा नहीं है, तभी तो जो बदमाश पीड़ितों का चांदनी चौक से पीछा कर रहे थे, उन्होंने सुरंग में पहुंचते ही अपराध को अंजाम दे दिया। दिल्ली में लोगों में जागरूकता भी अपेक्षाकृत कम लगती है। जैसे बताया जाता है कि लूट के इस मामले में पीड़ित ने तत्काल पुलिस को सूचित नहीं किया। ऐसा क्यों किया गया? यह उदासीनता बहुत दुखद है। दिल्ली में ही एक सर्वेक्षण हुआ था, जिसमें भाग लेने वाली 80 प्रतिशत महिलाएं कभी न कभी शोषण का शिकार हुई थीं, पर उनमें से महज एक प्रतिशत ने ही शिकायत दर्ज करने की हिम्मत दिखाई थी। क्या दिल्ली में लोग अपराध से डरने लगे हैं? प्रगति मैदान सुरंग में लूट के समय भी तमाशबीन गुजर रहे थे, किसी ने शोर मचाने या अपनी ओर से शिकायत की जरूरत नहीं समझी। राष्ट्रीय राजधानी में समाज और सामाजिक संगठनों को अपराध के विरुद्ध कुछ करना होगा? यहाँ अपराध के आंकड़ों में जाना कर्तव्य जरूरी नहीं है, यहाँ दिल्ली के विशाल पुलिस बल का आकार-प्रकार देखना प्राथमिकता नहीं है। प्राथमिकता है, लोगों की सजगता, अपने शहर के बारे में लोगों के विचार की समीक्षा करना। क्या दिल्ली में रहने वाले यहाँ के माहौल को गर्मजोशी भरा न सही, सहज रूप से सुरक्षित और शालीन बनाने के बारे में कभी सोचते हैं? इस महानगर में रोज सैकड़ों बैठकें-सभाएं होती हैं, लेकिन क्या किसी में सुरक्षा का मुद्दा विवर्ण में आता है? क्या यहाँ का आम आदमी अपनी सुरक्षा को लेकर कभी मुखर होता है? बुनियादी रूप से समझ लेना चाहिए कि ऐसे अपराधों को रोकने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आम लोगों और समाज पर ही है। देश की राष्ट्रीय राजधानी चोरों, लुटेरों, अपराधियों के लिए नर्क होनी चाहिए। क्या पुलिस-प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है? क्या तमाम सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे सही काम कर रहे हैं? अपराधियों के साथ परोक्ष या प्रत्यक्ष ढंग से नरमी तो नहीं बरती जा रही है? राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुलिस के आला अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सुरक्षा प्रबंध करने चाहिए। जिस शहर में करोड़ों लोग रहते हों, वहाँ के सुरक्षा इंजाम सैन्य स्तर के होने चाहिए। जैसे सीमा पर निगरानी होती है, वैसे ही दिल्ली में भी निगरानी तंत्र होना चाहिए।

पर्यावारी देस्ती- नई जान

पुराना दास्ता, नई जानि

प्रयोगान्तर न प्रयोग करने वाले यह नमूना पर आर बुलेपारा जानारा बाकी से लगा होने की वजह से उनके मिस्र दौरे को मैटिया में भले ही उस तरह की तवज्ज्ञों न मिल पाई हो, लेकिन यह यात्रा भी खासी अहम थी। न केवल दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति के व्यापक समीकरणों के नजरिए से भी इस यात्रा के निहितार्थ गैर करने लायक हैं। ध्यान रहे, प्रधानमंत्री की इस यात्रा से पहले इसी साल मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी गणतंत्र दिवस के मौके पर चीफ गेस्ट के रूप में मौजूद थे। उससे पहले सिंतंबर में भारत के रक्षा मंत्री और फिर अक्टूबर में विदेश मंत्री मिस्र की यात्रा पर गए थे। जाहिर है, पिछली सदी में गुटनिरेप्श आंदोलन में साथ-साथ लंबी पारी खेल चुके दोनों देश नई सदी में अपने रिश्तों को नई ऊँचाई देने को प्रतिबद्ध हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी का ऐतिहासिक सामरिक भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर करना और पीएम मोदी को मिस्र का सर्वोच्च सम्मान-ऑर्डर ऑफ द नाइल-प्रदान किया जाना दोनों देशों के इसी संकल्प के संकेत है। ऐसे संकेत और भी हैं। इसी साल सिंतंबर में भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में मिस्र को विशेष अतिथि के रूप में आमत्रित किया गया है। मिस्र ब्रिक्स का भी सदस्य बनना चाहता है और भारत इसमें भी उसका समर्थन कर रहा है। ये बातें दर्शाती हैं कि दोनों देश आने वाले दौर में आपसी सहयोग के फायदों को अच्छी तरह समझ रहे हैं। भारत जहां दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और कोरोना महामारी के बाद युक्रेन युद्ध के चलते चुनावीयों से जूझते मिस्र को सहारा दे सकता है, वहीं मिस्र भी अपने स्ट्रैटेजिक लोकेशन के चलते भारत के लिए कई तरह से मददगार हो सकता है। यह न केवल एशिया को अफ्रीका से जोड़ता है बल्कि स्वेज नहर के जरिए पूरे एशिया को भूमध्यसागर और यूरोप से जोड़ता है। यह 11 करोड़ की आबादी वाला सबसे बड़ा अरब देश है। मुस्लिम विश्व के सबसे प्रभावशाली देशों में शुमार होता है। इस बिंदु पर यह भी याद रखें की जरूरत है कि प्रधानमंत्री ने अफ्रीकन युनियन को जी-20 में जोड़ने का प्रस्ताव किया है। यह पहल न केवल अफ्रीकी देशों के साथ भारत के भावनात्मक जुड़ाव को मजबूती देगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत के प्रभाव में भी इजाफा करेगी।

Social Media Corner

सर्व क हक म...



कॉम्मन सिविल कोड का विरोध करने वालों से जुड़ा है, उत्तर प्रदेश की रानी चौरसिया जी का सवाल। अगर वोटबैंक की राजनीति करने वाले मुसलमानों के हितैषी होते तो हमारे मुस्लिम भाई-बहन शिक्षा, रोजगार में पीछे न रहते और मुसीबत की जिंदगी जीने को मजबूर न होते।

(पीएम नरेंद्र मोदी के दिवटर अकाउंट से)

23 नवंबर 1948 को पूरी चर्चा के बाद संविधान ने अनुच्छेद 44 को दी मंजूरी। धारा कहती है कि सरकार भारत के हर के लिये एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी 10 जनवरी 2023 को कहा कि राज्य सरकारों को अपने यहां समान नागरिक संहिता लागू करने का हक है। संविधान पीठ ने शाह बानो प्रकरण में ही तलाक और गुजारा भत्ता जैसे महिलाओं से जुड़े मुद्दों के परिप्रेक्ष्य में समान नागरिक संहिता बनाने पर सुझाव दिया था।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी दिवटर अकाउंट से)

डॉक्टर्स के ब्रेन इंजन को नजरअंदाज मत करिए

देश से डॉक्टर्स का ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन इस मायने में महत्वपूर्ण और गंभीर हो जाता है कि देश में चिकित्सकों की आज भी बेहद कमी का सामना करना पड़ रहा है। देश के करीब 75 हजार डॉक्टर्स और्झीसीडी यानी कि अधिक सहयोग व विकास संगठन से जुड़े देशों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ताजातरीन उदाहरण देश के सबसे बड़े लिल्ली के एस्स का ही देखा जा सकता है, जहां पिछले दस माह में सात विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने किसी न किसी कारण से सेवाएं देना बद कर दिया है। आज दस हजार से अधिक लोगों को प्रतिदिन सेवाएं देने वाले एस्स में ही 200 डॉक्टर्स की कमी चल रही है। यह तो एक मिसाल मात्र है। इसमें कोई दोराय नहीं कि हमारे चिकित्सकों की काबिलीयत और विशेषज्ञता के कारण ही विदेशों में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार और्झीसीडी देशों में रह रहे 75 हजार डॉक्टर्स में से करीब दो तिहाई तो अमेरिका में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह तो मानना पड़ेगा कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है पर अभी बहुत कुछ किया जाना है। कोविड के दौरान तो दुनिया में श्रेष्ठतम कार्य करने के बावजूद हमारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुलकर रह गई। दुनिया में सबसे अधिक डॉक्टर्स के ब्रेन ड्रेन वाला देश ग्रेनेडा है। यहां के दस हजार डॉक्टर विदेशों में पलायन कर चुके हैं। कोरोनाकाल में ग्रेनेडा को अपने चिकित्सकों को विदेशों से वापस बुलाने तक का निर्णय करना पड़ा। हमारे यहां कोरोना ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई जान दी है और सरकारी व गैरसरकारी प्रयासों से अस्पतालों में वैंटिलेटर, ऑक्सिजन कन्स्ट्रेट आदि की जरूरतों को पूरा करने के समग्र और सारथक प्रयास किए गए पर आज भी प्रशिक्षित मैनपावर की कमी के कारण इन उपकरणों का सही उपयोग नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण ही माना जाएगा। यदि हम ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े आंकड़ों का विशेषण करें तो देश में शहरी क्षेत्र में तो कमी है ही पर ग्रामीण क्षेत्र के हालात अधिक ही चिंताजनक हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सर्विकी 2021-22 की माने तो देश में ग्रामीण इलाकों की डिस्पेंसरियों में 81.6 प्रतिशत बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं है। और तो और सामान्य फिजिशियनों की ही बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र की डिस्पेंसरियों में 79 प्रतिशत फिजिशियन की कमी है। 72 प्रतिशत से कुछ अधिक कमी प्रसूति रोग विशेषज्ञों की है। यह तो सरकारी आंकड़ों में दर्शाए गए हालात है। हालांकि नवीनतम रिपोर्ट में हालात में कुछ सुधार देखने को मिल सकते हैं पर अधिक सुधार की आशा करना बेमानी होगा। दरअसल हमारे यहां दस हजार की आबादी पर केवल सात डॉक्टर उपलब्ध हैं जबकि क्यूबा जैसा देश दुनिया के देशों में मेडिकल चिकित्सकीय सेवा में लीड कर रहा है और वहां दस हजार की आबादी पर 84 डॉक्टर उपलब्ध हैं, अमेरिका में यह संख्या 35 तो चीन में 23 है। ब्रेन ड्रेन शब्द सबसे पहली बार विश्वविद्यु ने समय उभर कर आया जब भारतीय इंजीनियर व अन्य विशेषज्ञ अपनी काबिलीयत को लोहा मनवने विदेशों में जाने लगे और वहां अपनी पहचान बनाई। 1950 से 1960 के दशक में यूके, कनाडा और यूएसए में प्रतिभा पलायन का दैर चला और इसे ब्रिटिश रॉयल सेसायटी ने ब्रेन ड्रेन कहा तो अब विदेशों में प्रतिभा पलायन चाहे वह किसी भी देश की हो उसे ब्रेन ड्रेन के नाम से

पुकारा जाने लगा है। ब्रेन ड्रेन के एक तरह से अच्छा भी माना जा सकता है क्योंकि हमारी प्रतिभा का वहां स्थान मिल रहा है पर जब तक घर के हालात तंदुरुस्त नहीं हो हो तब तक इसे ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकता। वैसे भी हमारी यहां से ही नहीं अपितु दुनिया वे लगभग अधिकांश देशों में प्रतिभाएं किसी न किसी कारण या पलायन करती है। विदेशों में प्रतिभा पलायन को ही ब्रेन ड्रेन कहा जाने लगा है। हालांकि अब ब्रेन ड्रेन को ब्रेन गेन कह कर भी पुकारा जाने लगा है तो दूसरी और रिवर्स ब्रेन ड्रेन भी होने लगा है। सवाल यह है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और डॉक्टर्स के जरूरतों को देश में पूरा करने की समय की मांग है। आज हम देश में आजदी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। बाबाजूद इसके ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति खासतौर से चिकित्सकों और पैरेमेडिकल स्टॉफ की कमी निश्चित रूप से चिंता का विषय है। खासतौर से कोरोना के बाद तो सरकार को और अधिक गंभीर होने की आवश्यकता हो जाती है। दरअसल विदेश जैसी सुविधाएँ हमारे डॉक्टर्स को मिलने लगे तो उनके विदेश जाने के मोहर का कुछ हृद तक कम किया जा सकता है। लाख सरकारी दावों वें बाबाजूद अन्य देशों की तुलना में स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी की तुलना में हमारे देश में तीव्र प्रतिशत से कुछ अधिक ही खर्च किया जा रहा है जबकि यूएसए में जीडीपी का स्वास्थ्य पर खर्च 11 प्रतिशत से भी अधिक है तो क्यूबूम में 11 प्रतिशत, जापान में 10 रुपये अधिक ही व्यय किया जा रहा है दरअसल देश में निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रति दस हजार की आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता

सुनिश्चित करने में लंबा समय लगेगा। हालांकि पिछले सालों में देश में चिकित्सा सेवाओं का विस्तार हुआ है। नए एम्स खोले जा रहे हैं तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अस्पताल खुल रहे हैं। राजस्थान सरकार राइट टू हेल्थ लाई है। मोहल्ला डिस्पॉसरी खोली जा रही है। पर यह साफ है कि देश में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज यानी कि सभी देशवासियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं तक पहुंच अभी दूर की बात है। इसी साल देश में 50 नए मेडिकल कालेज खोलने का निर्णय किया गया है। इन्हें मिलाकर देश में 702 मेडिकल कालेज हो गए हैं तो अब देश में मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस के अध्ययन की सीटें भी बढ़कर एक लाख 7 हजार से अधिक हो गई हैं। इसका सीधा अर्थ यह हो गया है कि कुछ साल बाद हमें एक लाख डॉक्टर्स प्रतिवर्ष मिलने लगेंगे तो विदेशों से अध्ययन कर लौटने वाले भी कुछ डॉक्टर्स होंगे। इस तरह से नए डॉक्टर्स आने लगेंगे तो हालात में सुधार होगा। सवाल अभी भी कायम है कि चिकित्सकों के ब्रेन ड्रेन को रोकने के लिए भी सरकार को ठोस प्रयास करने होंगे। डॉक्टर्स की सेवा शर्तों में सुधार के साथ ही इस क्षेत्र में निजी और सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना होगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना होगा। आज भी चिकित्सा क्षेत्र में निवेश की जो तस्वीर देखने को मिल रही है वह यही है कि करीब 90 फीसदी निवेश निजी क्षेत्र में आ रहा है। लाख टके का सवाल है कि लाख सरकारी व्यवस्थाओं के बावजूद निजी चिकित्सालयों तक अधिकांश लोगों की पहुंच लगभग नहीं के बराबर ही है और आने वाले समय में कोई बड़ा बदलाव होगा यह लगता भी नहीं है। हमारे लिए एक अच्छी बात यह है कि देश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलने लगा है। देश के नामी अस्पतालों की साख व अपनी पहचान का ही कारण है कि विदेशी यहां इलाज के लिए आने लगे हैं। अब यदि विदेशों में बेहतर सुविधाओं और नाम कमाने के लिए युवा डॉक्टर्स पलायन कर रास्ता अपनाते हैं तो इसे रोकने के भी प्रयास करने होंगे। कहा जा सकता है कि इतने बड़े देश से 75 हजार डॉक्टर्स ब्रेन ड्रेन पर चले भी जाते हैं तो क्या फर्क पड़ने वाला है। हालात में फिर भी सुधार होने से रहा तो यह हमारी निर्णेटिव सोच ही होगी। 75 हजार कोडो छोटी संख्या नहीं है। इससे कुछ मायने में तो सुधार होगा ही। अन्य युवाओं को विदेश की राह पर अपनाने से तो हतोत्साहित किया जा सकेगा। युवा व अनुर्भव विशेषज्ञ चिकित्सकों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर मार्केटिंग की जाती है। देश में मेडिकल रिसचर्स से जुड़े विश्वस्तरीय सेमिनार, वर्कशॉप और इसी तरह की गतिविधियों का वार्षिक केरिकुलम बनाकर प्रचारित किया जाता है तो देश में ही सेवा दे रहे चिकित्सकों को विश्वस्तरीय पहचान बनेगी। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और विदेशों में पलायन रुकेगा। इसके साथ ही सेवा शर्ते और सुविधाओं की और भी ध्यान देना होगा। यदि ऐसा होता है तो निश्चित रूप से हमारे युवा डॉक्टर्स का ब्रेन ड्रेन रुकेगा और देश में बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इससे विदेशों की और रुख करने वाले डॉक्टर्स को भी देश में रह कर ही अपनी प्रतिष्ठा और पहचान बनाने के अवसर मिलेगा।

नई ऊपराइयों पर भारत-अमेरिका संबंध



व भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता का आभास होने लगा। न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम में मोदी के साथ योग करने के लिए वहाँ के लोगों का उत्साह अद्भुत था। योग कार्यक्रम में ३०० सहित संस्कृत श्लोकों का भी उद्घोष किया गया। यह भारतीय संस्कृति व योग के लिए गौरवशाली पल थे। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का प्रतिफल है कि आज योग पूरे विश्व में छा गया है और विश्व को एक सूत्र में बांध रहा है। अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की कई महत्वपूर्ण हस्तियों से भेंट की। सबसे प्रमुख कार्यक्रम के रूप में अमेरिकी संसद को सम्बोधित किया तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन के साथ द्विपक्षीय वार्ता और उसके बाद आयोजित प्रेस वार्ता की। यात्रा के अंतिम चरण में उन्होंने रोनाल्ड रीगन सेंटर में अमेरिका में बसे भारतीयों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के सकारात्मक परिणाम अभी से ही सामने आने लगे हैं। यात्रा का बड़ा नतीजा यह

है कि अमेरिका ने भारत की उन 100 प्राचीन मूर्तियों व धरोहरों को वापस लौटाने का निर्णय लिया है जो विशेष 70 वर्षों में किसी न किसी माध्यम से अमेरिका व अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहुंचा दी गयी थीं। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के मध्य रक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, विनिर्माण को बढ़ावा देने और औद्योगिक आपूर्ति शुरूखला को मजबूत करने के लिए समझौते हुए हैं। वैश्विक मुद्रों पर दोनों देशों के रुख में समानता है। यह मेक इन ईंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड से जुड़े प्रयासों को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री ने अमेरिका में बड़ा संदेश दिया। वह यह है कि भारत लोकतंत्र की जननी है तो अमेरिका आधुनिक लोकतंत्र का चैरिंगन। विश्व इन दो महान लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होता देख रहा है। निश्चिततौर पर भारतीय- अमेरिकी समुदाय दोनों देशों के संबंध की वास्तविक क्षमता को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। यह भारत में अधिक से अधिक निवेश करने का उपयुक्त समय है। प्रधानमंत्री ने कहा हम साथ मिलकर न सिर्फ नीतियां और समझौते तैयार कर रहे हैं बल्कि हम जीव ,सपनों और नियति को भी आकार दे रहे हैं। अमेरिका में बसे भारतीयों को संबोधित करते हुए जब प्रधानमंत्री ने बताया कि अब एच- 1 बी वीजा का नवीनीकरण अमेरिका में ही हो जाएगा तो वहां पर उपस्थित जनसमुदाय प्रसन्नता से झुमा और मोदी- मोदी के गगनभेदी के नारों से गूंज उठा। अमेरिका में रह रहे भारतीयों को अब अपने कार्य हेतु वीजा एच1 बी वीजा का नवीनीकरण कराने के लिए भारत नहीं आना पड़ेगा और वह अमेरिका में ही अपनी नौकरी जारी रखकर यह कार्य करवा सकेगे। इस निर्णय से अमेरिका के इंजीनियरिंग व दूसरे उच्च प्रौद्योगिकी में काम करने वाले भारतीयों को सुविधा होगी। आगे चलकर यह सुविधा एल वीजा धारकों के लिए भी हो सकेगी। नरेन्द्र मोदी अपने नौ वर्ष के कार्यकाल में दो बार अमेरिका संसद को संबोधित करने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं। अमेरिका संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवात मानवता का शत्रु है, इस संकट से निपटने के लिए कोई अगर- मगर नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐतिहासिक रह जिसको सुनने के लिए भारत ही नहीं विश्व भर के लोग जागे रहे। अपनी भाषण शैली से प्रधानमंत्री ने आतंक के पोषकों पर वार तो किया ही साथ ही जे लोग विदेशों में जाकर भारतीय लोकतंत्र की आलोचना करते हैं तथा भारत के अंदर सदन की कार्यवाही को ठप करने की साजिश रचते हैं उनको कड़ा उत्तर दे दिया। अब भारत को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवात के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए अमेरिका सहित विश्व के अनेक देशों का समर्थन मजबूती से मिल सकता है। यद्यपि आतंक के खिलाफ लड़ाई में चीन अर्थी भी एक बड़ी बाढ़ा बन रहा है।

लोकतंत्र के लिए अच्छा है मजबूत विपक्ष

ए से वक्त में जब आम चुनाव के लिये एक साल से १२ कम समय बचा है, राज

जुड़ा है, उत्तर प्रदेश की रानी वौरसिया जी का सवाल। अगर वोटबैंक की राजनीति करने वाले मुसलमानों के हतोत्सी होते तो हमारे मुस्लिम भाई-बहन शिक्षा, रोजगार में पीछे न रहते और मुसीबत की जिंदगी जीने को मजबूर न होते।

(पीएम नरेंद्र मोदी के टिवटर अकाउंट से)

23 नवंबर 1948 को पूरी चर्चा के बाद संविधान ने अनुच्छेद 44 को दी मंजूरी। धारा कहती है कि सरकार भारत के हर के लिये एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी 10 जनवरी 2023 को कहा कि राज्य सरकारों को अपने यहां समान नागरिक संहिता लागू करने का हक है। संविधान पीठ ने शाह बानो प्रकरण में ही तलाक और गुजारा भता जैसे महिलाओं से जुड़े मुद्दों के परिप्रेक्ष्य में समान नागरिक संहिता बनाने पर सुझाव दिया था।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी टिवटर अकाउंट से)



आम आदमी पार्टी में मतभेद बने हुए हैं। जिसे विपक्षी एकता के प्रयासों को लेकर अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। जिसका आम जनता में अच्छा संदेश तो कदाचि नहीं जाएगा। इसके साथ ही मतदाताओं में विश्वास पैदा करने के लिये कई जटिल मुद्दों को अभी सुलझाने की जरूरत होगी। बहरहाल, अभी विपक्षी एकता की कोशिशें शुरू हुई हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों को लेकर राज्यों में सामंजस्य बैठाने की जरूरत होगी। विपक्षी साझेदारी को व्यावहारिक बनाने की भी जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र के लिये मजबूत विपक्ष अपरिहार्य ही है। यदि देश में विपक्ष मजबूत होगा तो सत्ता पक्ष के निरंकुश व्यवहार पर अंकुश लगाने की कोशिशें सिरे चढ़ सकेंगी। कह सकते हैं कि विपक्षी एकजुटता के लिये अभी कई परीक्षाएं शेष हैं। यह भी हकीकत है कि पटना बैठक में काई ठोस निण्य समने नहीं आए। ऐसे उन्हें निर्णय दिया जाएगा।

आयोजन में कांग्रेस पार्टी की बड़ी भूमिका रहने वाली है। यह आपातकाला वक्त बतायेगा कि विपक्ष क्षत्रप किस सीमा तक एकता वेद प्रयासों में कांग्रेस की भूमिका स्वीकार करते हैं। साथ ही यह भूमिका कि तमाम विरोधाभासों के साथ देखते ही में सीटों के बंटवारे का कोर्ट सर्वान्यास फारमली तय हो पाता है विधानसभा नहीं। जाहिर है एकता के प्रयासों वेद विवादित मुद्दे सामने आएंगे। भाजपा भी अपने सारे पते विपक्षी एकता वेद मुकाबले के लिये खेलेंगी। निश्चियत रूप से केंद्र सरकार में होने वाले अतिरिक्त लाभ भाजपा को मिलेगा। विगत में भी विपक्ष का आरोप रहा है कि केंद्र सरकारी एजेंसियों का प्रयोग विपक्ष को कमज़ोर करने वेद लिये कर रहा है। यह विपक्षी एकता के सूखधारों पर निर्भर करेगा कि वे आने वाले समय में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से कितनी कुशलता से निबट पाएंगे। यह भी कि एकता के प्रयास आम चुनाव से पहले तक विधानसभा के लिए जीते जाएं तो वह एकता के लिए जीते जाएंगे।

I WANT TO SAY...

The image is a composite of two parts. On the right side, there is a close-up portrait of a young woman with dark hair, wearing a blue and gold patterned sari, looking directly at the camera with a slight smile. On the left side, there is a vertical column of text in Hindi. The text discusses a woman named Rani who has been working as a driver for the last 15 years. It highlights her unique skill of driving a truck and her passion for it. The text also mentions that she has won several awards for her driving skills and that she is a role model for other women. The overall tone is positive and敬佩 (admiring).

विश्व कप 2023 के लिए शेड्यूल का ऐलान, 5 अक्टूबर को होगा आगाज, 15 को अहमदाबाद में भारत बनाम पाकिस्तान

मुख्य (एंजेसी) भारत में होने वाले प्रकटिवीसीय विश्व कप 2023 के लिए शेड्यूल का ऐलान आईसीसी की ओर से कर दिया गया है। विश्व कप 5 अक्टूबर को शुरू होगा जिसमें अहमदाबाद के नंदें मार्डी स्टेडियम में इंडियन और न्यूजीलैंड आपस में मिड्डा। मेजबान भारत अपने पहले मुकाबले में 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से मिड्डा जबकि पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगा। विश्व कप का विकार की घोषणा में कई बार दीरे हुई। जबकि विश्व कप 2019 और 2015 के कार्यक्रम की घोषणा एक साल पहले ही कर दी गई थी।

टूर्नामेंट के लिए अहमदाबाद, बैंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, धर्मशाला, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और पुणे में होने वाले मैचों के साथ 10 स्थानों को अंतिम रूप दिया गया है। मेजबान भारत अपने सभी 9 मैच अलग-अलग स्थानों पर खेलेगा। लालौकिक, हैदराबाद में मैन इन ब्लू के मुकाबले में नहीं होगा। चेन्नई और अहमदाबाद के क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मैचों की मेजबाजी करेंगे। लखनऊ में गत चौथे पाँच इंडियन भारत से बिंडगा बहीं, कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका और धर्मशाला में न्यूजीलैंड से बिंडगा। सेमीफाइनल क्रमशः 15 और 16 नवंबर को मुंबई और

टूर्नामेंट

कोलकाता में खेले जाएंगे। फाइनल 19 नवंबर को अहमदाबाद में होगा।

इस

में

पहली

टीम

में

पहले

ही

क्रिकेट

विश्व

कप

सुपर

सुपर

रूप

में

अंतिम

क्रिकेट

विश्व

कप

के

साथ

ही

क्रिकेट

विश्व

कप

के

साथ

ही</

विजय के साथ इंटीमेट सीन करेगी तमन्ना

एकट्रेस ने बताई लस्ट स्टोरीज 2 की बात

फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 में तमन्ना भाटिया विजय के साथ इंटीमेट सीन करती नजर आई। तमन्ना आजकल विजय वर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं और दूसरा कारण है उनकी आने वाली फिल्म लस्ट स्टोरीज 2 हाल ही में तमन्ना ने इंडस्ट्री में खुद को साहित करने की बात कही थी। साथ ही एकट्रेस ने अपने करियर में लंबे समय तक इंटीमेट सीन न करने और आखिरकार इसके लिए तेयार होने की भी बात कही।

तमन्ना भाटिया ने इंटीमेट सीन्स से जुड़ी बातें की और बताया कि कैसे वह स्क्रीन पर कुछ भी न करने की मानसिकता से बाहर निकलने में कामयाब रही। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब 2018 में लस्ट स्टोरीज 2 सम्पन्न आई तो वह उसकी बहुत बड़ी फैन थीं। उन्होंने कहा कि एक एक्टर के लिए उस तरह की सुरक्षा महसूस करना बहुत जरूरी है। उसी पल से, विजय वर्मा ने उन्हें सेफ महसूस कराया कि वह कुछ भी कहने, कुछ करने या एक तरीका बाताने से डरती नहीं थी। तमन्ना ने आगे कहा कि विजय ने इसे इतना आसान बना दिया और यह कुछ ऐसा है जो उन्हें उनके बारे में पसंद है। उन्होंने कहा, मेरे जैसे एक्टर के लिए, क्योंकि मैंने बहुत तरह के सिनेमा किए हैं, मैं सबसे पहले लस्ट स्टोरीज 2 की फैन हूं। इसने मुझे वास्तव में एक फ़िल्मेल एक्टर के रूप में दिखाया, जैसी कहानियां लोग देखना चाहते हैं। इसे करने में शर्म धीरे-धीरे दूर हो रही है क्योंकि हम समय के साथ आगे बढ़ रहे हैं और हर कोई डेवलपर हो रहा है। तो, मैं वह पहली दर्दक थी जिसने इसे पसंद किया। मुझे बहुत मजा आया। मुझे याद है कि मेरे जानने वाले सभी लोगों ने इसे देखा था और सभी को ये पसंद आई थी।

एकिंग के शुरुआती दौर में क्या-क्या झोलना पड़ा शोभिता को

अदाकारा शोभिता धूलिपाला ने साल 2016 में आई शिलर फिल्म रमन राघव 2.0 से भी टाइन में तहलका मचा दिया था। अपने हुस्न के कारण एकट्रेस आज भी चर्चा का केंद्र बनी रहती हैं।

मार एक बार उनको भूंह पर हो रही रिजेक्शन का घाटा मारा दिया गया था। इस बात का खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू में किया है। इंटरव्यू में शोभिता धूलिपाला ने बताया कि एकिंग के शुरुआती दौर में उनको क्या-क्या झोलना पड़ा। उन्होंने खुलासा किया कि जब वो एक विज्ञापन के ऑडिशन के लिए गई थीं। तब कैसे लोगों ने उनके स्किन टोन पर कमेंट किया था। उन्होंने बताया कि उन्हीं नहीं लगी थीं लेकिन उन्होंने काम करना बंद नहीं किया।

एकट्रेस ने बताया, जब आप कोई चीज शुरू करते हों तो सबकुछ एक जंग होती है। मैं फिल्मों से नहीं थी। मुझे याद है कि जब मैं एक एड का ऑडिशन देने गई थीं तो मुझे कई बार बोला गया कि आप गोरी नहीं हैं। ऐसी चीजें थीं जो आप एड लेवल पर देखते हैं, जहां मुझे मेरे चेहरे पर बोला गया था कि मैं उन्हीं सुन्दर नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मैं निराश थीं शोभिता ने आगे बताया कि उन्हें लोगों ने घटिया कमेंट भी किया, जिससे उन्हें इन्स्टार्टेड फ़ील हुआ। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि लोगों का सुन्दरता के प्रति नजरिया बहुत छोटा और एकतरफा है।

हालांकि इन सब बातों से उन पर कोई असर नहीं हुआ। वह इंडस्ट्री में काम करती रहीं और आगे बढ़ती रहीं। उन्होंने अपनी एकिंग रिकल्स पर ध्यान दिया। न कि सुन्दरता पर। और आज सब उन्हें उनकी उपी स्किल्स के लिए जानते-पहचानते हैं। बता दें कि 30 जून को ओटीटी पर रिलीज होने वाली द नाइट मैनेजर सीजन 2 में शोभिता धूलिपाला एक बार फिर चार चाद लगाने के लिए बेताब हैं। वो अपने शानदार अभिनय के लिए तो जानी जाती ही हैं। उससे पहले उन्होंने 2013 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब भी अपने नाम किया हुआ है।



प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर में आए बदलाव मुझे पसंद: इलियाना

एकट्रेस इलियाना इक्रज ने कहा कि उन्हें कभी-कभी अच्छा महसूस नहीं होता है, लेकिन उनका सपोर्ट सिस्टम, जो लोग उनसे ध्यान करते हैं, वे उन्हें याद दिलाते रहते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप प्रेग्नेंट होते हैं तो बहुत से लोग आपके वजन को लेकर कमेंट करते हैं। एकट्रेस ने प्रेग्नेंसी के दौरान अपने वजन बढ़ने के बारे में बात की। इलियाना इंस्टार्टेड पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में अपने फैंस के सवालों का जवाब दे रही थी। इलियाना ने कहा कि जब आप डॉक्टर के पास चेकअप के लिए जाते हैं तो उनसे भी कोई मदद नहीं मिलती है। उन्हें हर बार आपका वजन लेना पड़ता है इसलिए यह हर बार आपके दिमाग में रहता है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस यह कहना चाहती हूं कि पिछले कुछ महीनों में मेरे शरीर में जो बदलाव आया है वह मुझे पसंद है। यह एक बहुत अद्भुत जर्नी है। और हाँ, मैं इसान हूं और ऐसे भी दिन आते हैं जब आपको अच्छा महसूस नहीं होता, लेकिन मेरे पास कमाल का सपोर्ट सिस्टम और लोग हैं जो मुझे ध्यान करते हैं और मुझे याद दिलाते हैं कि मैं अपने अंदर एक छोटे इंसान को बना रही हूं।



मैं बॉलीवुड में बिलॉन्ग करता हूँ: अनिल कपूर

बॉलीवुड में 40 साल पूरे करने पर अभिनेता अनिल कपूर ने इंस्टार्टेड पर फिल्म के एक दृश्य का वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, आज एक एक्टर और इंटरनेट के रूप में मेरे 40 साल पूरे हो गए। दर्शकों, आपकी स्वीकृति, प्यार और आशीर्वाद के 40 साल पूरे हो गए। उन्होंने लिखा, वे कहते हैं कि जब आप कुछ ऐसा कर रहे होते हैं जो आपको पसंद है, तो समय यूँ ही निकल जाता है.. कोई आश्वस्त नहीं कि वह दशक पलक झापकने जैसा लगता है। मैं यहां बिलॉन्ग करता हूँ, मुझे यही बना चाहिए। उन्हें बड़ा बनाने में सहायता करने वाले को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा- इन्हें सारे लोगों ने मुझे जीवन में इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की है, लेकिन मैं विशेष रूप से दिवंगत बापू साहब, मेरे भाई बोनी कपूर और मेरे पिता सुरिंदर कपूर को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और वो 7 दिन में मुझे पहला मौका दिया.. मैं एक नवाचारुका का स्वागत करने में उनकी कृपा के लिए नसीरहीन और पद्मिनी कोल्हापुरी का भी सदैव आभारी हूं। उन्होंने कहा, उनके स्टारडम ने मुझे उम्मीद से कहीं अधिक चमकाया। आज मैं जो कुछ भी हूं उसका श्रेय इन दिग्गजों और आप सभी से मिले प्यार और स्वीकृति को जाता है।



फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी

फिल्म इमरजेंसी का टीजर जारी किया गया है। यह फिल्म इसी साल 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इमरजेंसी का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है, जो कीनले रितेश शाह की है और कहानी कंगना की है। इसमें कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका मैं हैं। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपटे, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं मैं हैं। एकट्रेस-फिल्ममेकर कंगना स्नौत की इस फिल्म के बारे में बात करते हुए, कंगना ने इमरजेंसी हमारे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और काले अध्यायों में से एक है जिसे युवा भारत को जानना आवश्यक है। यह एक महत्वपूर्ण कहानी है और मैं अपने सुपर-टैलेंटेड एक्टर्स जैसे स्वर्णी सतीश जी, अनुपम जी, श्रेयस, महिमा और मिलिंद को इस क्रिएटिव जर्नी को एक साथ शुरू करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं भारत के इतिहास के इस असाधारण प्रसंग को बड़े पैर पर लाने के लिए उत्साहित हूं।

